mardi 7 février 2012

HIN2B09b

(Compréhension de l'écrit)

Cours – 1

अमेरिकी विश्वविद्यालयों में सफलता के लिए किन बातों का रखें ध्यान।

हर साल हज़ारों छात्र उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका जाते हैं और इन छात्रों की सफलता का स्तर जाहिर तौर पर अलग-अलग होगा। अमेरिका में पिछले 10 सालों में मुझे चार शैक्षणिक संस्थानों पेन्सिलवैनिया स्टेट यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ मिज़ूरी यूनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का, ओमाहा और बिंगहैम्टन यूनिवर्सिटी, स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू यॉर्क में पढ़ाने संबंधी काम करने के अवसर मिले। इन दस सालों में मैंने हज़ारों छात्रों से बात की और अमेरिकी शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंचने के लिए भारतीय छात्रों की तैयारियों को भी नज़दीक से देखा।

अमेरिका में मैंने उच्च शिक्षा ग्रहण की और बतौर टीचिंग असिस्टेंट, लेक्चरर और प्रोफेसर का काम करते हुए मैं इस नतीजे पर पहुंच पाया कि अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त करने आने वाले छात्रों की तैयारी और मेहनत कॉलेज की पहली क्लास से काफी पहले शुरू हो जाती है। मैंने इस पूरी प्रक्रिया को (5 + 2) पी फ्रेमवर्क नाम दिया है। (5 + 2) पी का अर्थ है प्लान, प्रिपेयर, पार्टिसिपेट, प्रोएक्ट और पर्सपेक्टिव। अंतरराष्ट्रीय परिवेश में सफलता के लिए दो और पी मददगार होंगे जो हैं प्राइड और पर्सपेक्टिव।
योजना: अमेरिकी कॉलेज में दाखिला लेने के बाद आप अपना मुख्य विषय चुनते हैं। आपको अपने मुख्य विषय से संबंधित कारगर कार्ययोजना बनानी होगी। आपके प्रोफेशनल और शैक्षणिक लक्ष्य को पूरा करने के लिए अपने मुख्य विषय की उपयोगिता और अन्य विषयों की भूमिका को समझना आपके लिए अहम होगा। चूंकि विदेशी छात्रों को अमेरिका में एक तय समय सीमा में अपनी पढ़ाई खत्म कर लेनी होती है इसलिए यहां के कॉलेजों में उपलब्ध कई विकल्पों को इस्तेमाल करने का दायरा कम हो जाता है। इस स्थिति में जो छात्र अपने पाठ्यक्रम में विषयों को चुनने में सतर्कता बरतते हैं उन्हें सफलता मिलती है।

तैयारी: अमेरिकी विश्वविद्यालयों में सेमेस्टर की शुरुआत में ही छात्रों को पाठ्यक्रम उपलब्ध करा दिया जाता है। सेमेस्टर शुरू होने से पहले भी विद्यार्थी अपने प्रोफेसर से पाठ्यक्रम की मांग कर सकते हैं। इसमें पढ़ाए जाने वाले विषयों के बिंदु, किताबों के नाम, टेस्ट और दिए गए काम को खत्म करने की तारीखें दे दी जाती हैं। यह जानकारी पाठ्यक्रम की तैयारी के लिए लाभकारी होती है।

भागीदारी: अमेरिकी कॉलेजों में कैंपस और क्लास में होने वाली सभी शैक्षणिक गतिविधियों में हिस्सा लेना आपके व्यक्तित्व के विकास के लिए जरूरी है। प्रोफेसर अक्सर यही उम्मीद करते हैं कि छात्र कक्षा में चर्चा के दौरान अपने विचार रखें और चर्चा को आगे बढ़ाने में योगदान दें। अगर छात्र विषय पर कई किताबों का अध्ययन कर रहे हैं तो पाठ्यक्रम से अतिरिक्त ज्ञान को वे अपने प्रोफेसर के सामने रखें ताकि उनकी प्रतिभा का सही परिचय मिल सके। यदि छात्र नौकरी कर चुके हैं तो अपने काम के अनुभव को भी बांटे। इससे एक सकारात्मक छवि बनाने में मदद मिलती है। अमेरिका जाने वाले छात्रों के पास नौकरी का अनुभव नहीं होता। ऐसे में विषय का विस्तृत अध्ययन मददगार साबित होता है।

पहल करें: भारतीय छात्रों में अक्सर किसी भी विषय पर पहल करने की प्रवृत्ति कम देखी जाती है। अमेरिकी छात्रों से सिर्फ प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं की जाती बल्कि नेतृत्व क्षमता रखने वाले छात्रों को बेहतर समझा जाता है। प्रोएक्टिव होने का एक तरीका है नेटवर्किंग। अपने सहपाठियों, प्रोफेसर, पूर्व छात्रों और कैंपस में मौजूद अन्य लोगों से संवाद कायम करना और उसे जारी रखना जरूरी होता है। नेटवर्किंग के लिए व्यक्तिगत मेलजोल के अलावा इंटरनेट पर फेसबुक, लिंक्डइन आदि वेबसाइट से जुड़ा होने के अलावा कैंपस में होने वाली गतिविधियों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। असिस्टेंटशिप, इंटर्नशिप और नौकरियों के अवसर बेहतर नेटवर्किंग करने वालों को आसानी से मिल जाते हैं।

अपनी प्रतिभा दिखाएं: नियमित तौर पर पढ़ना ही काफी नहीं, आज के परिवेश में उपलब्धियों का प्रचार भी जरूरी है। बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद आपकी उपलब्धियों के लिए आपको अगर श्रेय न मिले तो समझिए कि आपका काम अधूरा है। पढ़ाई के अलावा अन्य प्रतिभाओं के बारे में छात्र अपने प्रोफेसर को जानकारी दे सकते हैं। अपने रेज्यूमे को भी समय-समय पर अपडेट करते रहें। इससे आप खुद अपना आकलन कर पाएंगे।

अपने पर गर्व: अपने देश और संस्कृति पर हर छात्र को गर्व करना चाहिए। मैं ऐसे कई छात्रों को जानता हूं जो अपने देश और संस्कृति का मज़ाक उड़ाते हैं। वे शायद ये नहीं जानते कि इससे वे अपनी ही छवि खराब कर रहे हैं। मैं छात्रों को अक्सर सलाह देता हूं कि वे अपने मूल्यों और देश के बारे में जानें।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता का दूसरा मंत्र है परिप्रेक्ष्य। वैश्वीकरण के समय में भारतीय छात्रों को अंतरराष्ट्रीय प्ररिपेक्ष्य विकसित करना चाहिए। इसके लिए छात्र विदेशी भाषा सीखें, दूसरे देशों के इतिहास और समाज के बारे में जानकारी हासिल करें। आज मुंबई या दिल्ली में बैठे छात्रों की प्रतियोगिता सिर्फ स्थानीय स्तर पर नहीं रह गई, बल्कि शंघाई, रियो, पेरिस और न्यू यॉर्क में बैठे विदेशी छात्रों से भी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की कंपनियां ऐसे लोगों को नौकरी देती हैं जिनमें वैश्विक स्तर पर काम करने की क्षमता और समझ देख पाती हैं।

ऊपर बताया गया (5 + 2) पी फ्रेमवर्क मेरे व्यक्तिगत अनुभवों के आधार पर है और ये मेरे निजी विचार हैं। इन्हें छात्र एक संपूर्ण गाइड की तरह न मानें, लेकिन वे नौजवान जो नई दिशा में बढ़ना चाहते हैं उनके लिए ये बातें मार्गदर्शक हैं। यह फ्रेमवर्क विदेश के अपरिचित माहौल में लक्ष्य हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण सूत्र है, जहां एक गलत कदम समय और पैसे का भारी नुकसान करा सकता है। वहीं सही दिशा में बढ़े कदम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आपके कॅरियर को ऊंची उड़ान देंगे।

लिसेट बी. पूल स्वतंत्र पत्रकार हैं। वह कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, ईस्ट बे में पढ़ाती हैं।

Vocabulaire et expressions

विश्वविद्यालय (m) université
सफलता (f) réussite
ध्यान रखना (m) faire attention à
उच्च शिक्षा (f) hautes études
स्तर (m) niveau
जाहिर तौर (f) de manière évidente
शैक्षणिक संस्थान (m) institut d'études
संबंधी (m) relation, lié à
अवसर (m) opportunité
तैयारी (f) préparatif
नज़दीक près
अंतरराष्ट्रीय international
परिवेश (m) environnement
मददगार (m) qui aide
योजना (f) plan
दाखिला लेना s'inscrire à
मुख्य principal
विषय (m) sujet
कारगर (m) efficace
लक्ष्य (m) objectif
उपयोगिता (f) utilité
अहम important
चूंकि puisque
तय décidé
उपलब्ध disponible
विकल्प (m) alternatif
दायरा (m) périmètre, portée
पाठ्यक्रम (m) cursus d'études
सतर्कता बरतना être prudent
शुरुआत (f) début
बिंदु (m) point
तारीख (f) date
लाभकारी bénéfique
भागीदारी (f) participation
गतिविधि (f) activité
हिस्सा लेना participer
व्यक्तित्व (m) personnalité
उम्मीद करना espérer
योगदान (m) contribution

अतिरिक्त supplémentaire
प्रतिभा (f) talent, éclat
अनुभव (m) expérience
सकारात्मक positif
छवि (f) image
विस्तृत étendu
साबित होना s'avérer, prouver
पहल करना démarrer, initier
प्रवृत्ति (f) tendance
प्रतिक्रिया (f) réaction
नेतृत्व (m) leadership
क्षमता (f) capacité
सहपाठी (m) camarade de classe
संवाद (m) dialogue
कायम करना établir
व्यक्तिगत personnel
मेलजोल (m) le fait d'être ensemble, camaraderie
बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना participer plus, activement
नियमित régulé, régulier
प्रचार (m) propagande
बेहतरीन excellent
प्रदर्शन (m) démonstration
श्रेय (m) crédit
अधूरा incomplet
जानकारी (f) information
आकलन (m) évaluation
गर्व (m) fierté
सलाह देना conseiller
मूल्य (m) valeur, prix
परिप्रेक्ष्य (m) perspective
वैश्वीकरण (m) mondialisation
इतिहास (m) histoire
हासिल करना acquérir
संपूर्ण tout
नौजवान (m) jeune adulte
दिशा (f) direction
मार्गदर्शक (m) guide
अपरिचित inconnu
माहौल (m) ambiance

mardi 7 février 2012

महत्वपूर्ण important

सूत्र (m) fil, formule

कदम (m) pas, étape

नुकसान(m) dégât